

3/2/15

पञ्च यज्ञ इति वादी एवं वहीन वादी अनुपस्थित ।
ग्राही एवं वहीन वादी के ज्योत्स्न रूपेण दक्षिणे एते एवं
वाय - 2 आवाप लवावर्ग मरि तदुपांत वरि उपस्थित
नही इति । नदप्यन पश्चात् पुनः आवाप लवावर्ग मरि
तदुपश्चात् वादी एवं वहीन वादी अनुपस्थित । अतः
दावा वही अथ दक्षिणी अथ पश्चिमी मं वही एतत्
या वापि क्रियता एव
पञ्च यज्ञ इति वादी एवं वहीन वादी अनुपस्थित । अतः
दावा वही अथ दक्षिणी अथ पश्चिमी मं वही एतत्

